थे उसकी, अब हिन्दी में नहीं मिल रही है, अब केवल अंग्रेजी में ही जा रही है। मैं इस पर बहुत स्ट्रांग्ली प्रोटेस्ट करता हूं।

श्री शीलभद्र याजी : (बिहार) : और वह आप अंग्रेजी में करते हैं।

श्री राजनारायण : मैं बहुत जोर के साथ इसका विरोध करना चाहूंगा और मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि आप अपने सेक्रेटेरियट को, या जो भी इसके करने-धरने वाले हों उनको हिदायत करें कि हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में जैसे लोगों का पहले दिया जाता था उसी तरह से दिया जाय, नहीं तो हमारे ऊपर इसका दोष नहीं होगा कि जब अंग्रेजी की जो सिनापसिस जायेगी, परसों या जिस दिन खुलेगा, उसको ला कर मैं फाड़ दूंगा। . . .

उपसभाध्यक्ष (श्री अकबर अली खान) : आप बैठ जाइये।

श्री राजनारायण : क्योंकि अब हम हिन्दी की इतनी उपेक्षा नहीं बर्दाश्त कर सकते।

श्री ओम् मेहता : (जम्मू और काश्मीर) : सर, मैं छुट्टी के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। मेरा कहना है कि छुट्टी के बारे में जो राजनारायण जी ने कहा तो कल के लिये नोटीफाई किया गया है कि कल हाउस बन्द रहेगा लेकिन ईद की जो छुट्टी होती है वह चांद पर मुनहसिर होती है, इसलिये अगर आज चांद नहीं देखा गया तो फिर परसों हाउस को बन्द करना पड़ेगा। यह तो शाम को ही तय हो सकेगा।

श्री राजनारायण यह कोई तरीका है?

श्री ओम् मेहता : ईद की छुट्टी हमेशा चांद पर डिपेंड करती है।

श्री राजनारायण श्रीमन्, देखिये, यह तरीका गलत है। श्रीमन् जरा सुनिये तो।

उपसभाध्यक्ष (श्री अकबर अली खान): पहले उनको तो सुनने दीजिये।

RE THREAT OF STRIKE BY PILOTS OF THE INDIAN AIRLINES

SHRI DWIJENDRALAL SEN GUPTA (West Bengal) : Mr. Vice-Chairman, I am raising a very important point. There is a threat of strike by the pilots of the Indian Airlines ...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AKBAR ALI KHAN) : There is a Calling Attention on this matter. It has been admitted for tomorrow.

SHRI DWIJENDRALAL SEN GUPTA : If it has been admitted for tomorrow it is all right.

SHRI REWATI KANT SINHA (Bihar) : Sir, what about the holiday ?

RE A MATTER OF PERSONAL EXPLANATION BY SHRI N. K. SHEJWALKAR

SHRI N. K. SHEJWALKAR (Madhya Pradesh) : मैंने चेयरमैन साहब से इजाजत ले ली थी, वही कह रहा हूं।

With your permission, Sir, I would like to submit my personal explanation. During the course of a discussion on the Calling Attention yesterday, the 9th December, the Minister of Education referring to me observed, "His party is involved in it". I immediately rose and asked what the party involvement was. I am not able to understand what he meant by that. The Minister requested me to sit down and started his reply. But he did not say a single word about the explanation which I wanted. I am sorry to get it recorded here now that the Minister was wrong in saying that I had some party or that I was involved in some party. I want to make it clear on the floor of the House that I do not know any of the officials of the CSIO, or, the least, anything defendable of them. On the other hand, I have expressly stated that the affairs of the CSIO are the worst. I expect from the honourable Ministers that they should not make such sort of personal remarks against honourable Members of the House unless they have got sufficient material with them.